ईलाज का तरीका निम्न कारको पर निर्भर करता है :

- कितने सप्ताह की गर्भावस्था है।
- मरीज के लक्षण व अवस्था।
- BETA HCG का स्तर।
- सोनोग्राफी रिपोर्ट में गर्भावस्था का आकार।

पर अगर गर्भावस्था का पता देर से चले और ट्यूब फट जाए तो आपरेशन ही एकमात्र ईलाज है ऐसे में आपातकालीन सर्जरी करना पड़ता है और रक्त चढ़ाने की आवश्यकता पड़ती है। अंदरूनी रक्तस्त्राव अत्यधिक होने से जानलेवा हो सकता है।

अगर आपकी एक फेलोपियन ट्यूब को सर्जरी द्वारा निकाल दिया जाए तो भी आप दूसरी टयूब के सहारे गर्भवती हो सकते है लेकिन दोबारा अस्थानिक गर्भावस्था होने का खतरा बढ़ जाता है। वेसे ये आपकी दूसरी ट्यूब की स्थिति पर निर्भर करता है।

अतः माहवारी न आने पर तुरंत अपने डाक्टर से मिले क्योकि सिर्फ प्रेग्नेंसी टेस्ट +VE या -VE आपको सारी परेशानियों से नही बचा सकता। यह सुनिश्चित करना की गर्भावस्था कहां है व कैसी है, अति आवश्यक है।

उपलब्ध सुविधाएं

- 7 स्त्री रोग विशेषज्ञों की टीम
- आधुनिक मेडिकल एवं सर्जिकल सेंटर
- प्रजनन केन्द्र (Fertility Centre) & IUI, IVF, ICSI
- हाई रिस्क प्रेग्नेंसी (High Risk Pregnancy)
- आधुनिक दूरबीन पद्धति (Laparoscopy) द्वारा बच्चेदानी का ऑपरेशन
- बिना चीरा, बिना टांके के बच्चेदानी का ऑपरेशन **(Vaginal Hysterectomy)**
- गर्भाशय मुख की जाँच (Colposcopy)
- Malformation Scan (Sonography)
- विशेष गर्भ संस्कार मार्गदर्शन
- Hysteroscopy दूरबीन द्वारा बच्चेदानी की जाँच व ईलाज
- दर्द रहित प्रसव। (EPIDURAL)
- सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त गर्भपात एवं परिवार नियोजन केन्द्र।
- कम्प्यूटराईज मशीन द्वारा गर्भस्थ शिशु के धड़कन की जांच। (NST)
- स्तन कैंसर से बचाव व उपचार।
- मेनोपॉज क्लिनिक (रजोनिवृति)।
- पैथोलॉजी।
- फिजियोथेरेपिस्ट उपलब्ध
- न्यूट्रीशियनिस्ट उपलब्ध

ECTOPIC PREGNANCY
अस्थानिक गर्भावस्था

SBH® WOMEN HOSPITAL Pvt. Ltd.

ICSI एवं IVF (टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर)

सुपर स्पेशलिटी प्रसूति एवं स्त्रीरोग हॉस्पिटल

0771-4017979, 40… 402 www.sbhhospital.c…
विजेता काम्पलेक्स के सामने, न्यू राजेन्द्र नगर, रायपुर (छ.ग.)

अस्थानिक गर्भावस्था **(ECTOPIC PREGNANCY)** का अर्थ है गर्भाशय के बाहर गर्भ का ठहरना।

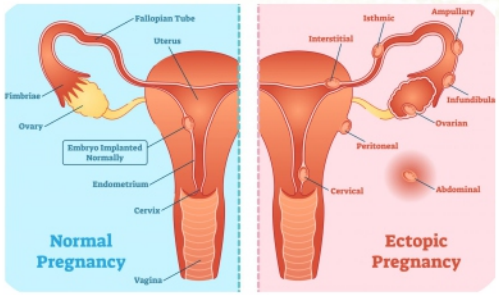

भ्रूण का विकास गर्भाशय के अलावा कही और ठीक तरह से नही हो सकता है अगर किसी कारणवश गर्भ गर्भाशय यानि यूटेरस की बजाय कही और रूक जाता है तो यह महिला कि लिए खतरनाक हो सकता है।

आमतौर पर अस्थानिक गर्भावस्था **(ECTOPIC PREGNANCY)** का पता चौथे से दसवे सप्ताह के बीच में ही चलता है अतः माहवारी न आने पर दस दिन के भीतर ही डॉक्टर से मिलकर यह सुनिश्चित करें की गर्भावस्था सही स्थान पर है या नही।

संभावना :

90 में से एक गर्भावस्था में अस्थानिक गर्भावस्था होने की संभावना होती है।

स्थान :

सबसे ज्यादा एक्टोपिक प्रेग्नेंसी फेलोपियन ट्यूब में होती है पर कभी कभी अण्डाशय (Ovary), गर्भग्रीवा (Cervix) या पेट (Abdomen) में हो सकती है

लक्षण :

हर महिला में इसके लक्षण अलग हो सकते है।

- गर्भपात।
- रक्तस्त्राव।
- पेट में विभिन्न तीव्रता का दर्द।
- अंदरूनी रक्तस्त्राव से बेहोशी।
- दस्त या मलत्याग के समय दर्द।

कारण :

आमतौर पर एक्टोपिक प्रेग्नेंसी का कोई स्पष्ट कारण नही होता है पर निम्न कारको से इसके होने की संभावना बढ़ जाती है।

1. फेलोपियन ट्यूब में सूजन और संक्रमण।
2. पेल्विक इन्फ्लोमेट्री डिसीज (PID) या एंडोमिट्रयोसिस की शिकायत।
3. कॉपर टी (CU-T) या OCPs (गर्भनिरोधक गोली) के विफलता से हुई गर्भावस्था।
4. जिन्हे पहले एक्टोपिक प्रेगनेंसी हुई है
5. धूम्रपान
6. जिनकी फेलोपियन ट्यूब की कोई सर्जरी हुई है।
7. यौन संचारित रोग से ग्रसित (STD's) ।
8. फेलोपियन ट्यूब का आंशिक रूप से बंद होना।
9. IVF प्रेग्नेंसी जांच

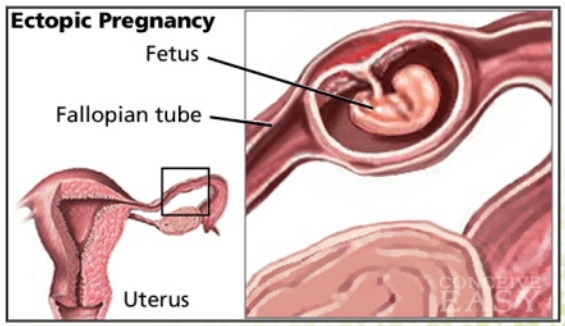

निदान :

UPT - यूरिन प्रेग्नेंसी टेस्ट यह बताता है कि आप प्रेग्नेंट है की नही ।

USG - सोनोग्राफी - गर्भावस्था कहा पर रूकी है व कैसी है यह सोनोग्राफी से पता चल सकता है।

Serum B-HCG - एक सामान्य प्रेग्नेंसी में इस हॉर्मोन का स्तर हर 48 घंटे में दुगना हो जाता है।एक्टोपिक प्रेग्नेंसी में यह स्तर धीरे बढ़ता है।

लेप्रोस्कोपी - कभी कभी किसी भी प्रकार से सही पता न लग पाय और मरीज के लक्षण बढ़ रहे हो तो लेप्रोस्कोपी यानि दूरबीन से पेट की जांच की जाती है।

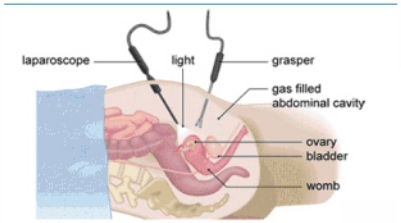

A gynaecological laparoscopy

ईलाज :

अस्थानिक गर्भावस्था का पता जल्दी चल जाने पर दो प्रकार से ईलाज संभव है।

1. दवाई द्वारा - गर्भ को अंदर ही समाप्त करने की कोशिश की जाती है इसमें मिथोट्रिकसेट नामक दवाई का इंजेक्शन लगाया जाता है।

2. सर्जरी - दूरबीन पद्धति द्वारा या ओपन सर्जरी द्वारा फेलोपियन ट्यूब व गर्भ को निकाल दिया जाता है।